सीएसआईआर-सीरी में लघु हिंदी कार्यशाला का आयोजन

अनुवाद एवं भाषा ज्ञान पर प्रतियोगिता एवं लघु कार्यशाला

सीएसआईआर-सीरी में हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं हिंदीमय वातावरण बनाए रखने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा विगत अनेक वर्षों से सामान्यत: प्रत्येक माह न्यूनतम एक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में जुलाई-सितंबर 2022 की तिमाही अवधि के दौरान प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 4 अगस्त, 2022 को अनुवाद तथा भाषा ज्ञान प्रतियोगिता एवं प्रतियोगिता के उपरांत लघु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ध्यातव्य है कि संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्णय के अनुपालन में प्रतिवर्ष जनवरी से अगस्त माह के दौरान प्रतिमाह एक हिंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। ये प्रतियोगिताएँ दो वर्गों – नियमित सहकर्मी एवं अस्थायी सहकर्मी नामक दो वर्गों में आयोजित की जाती हैं। इसी क्रम में प्रतिभागियों की अनुवाद एवं भाषा संबंधी जानकारी को समृद्ध करने के उद्देश्य से विगत 4 अगस्त, 2022 को उक्त विषय पर हिंदी प्रतियोगिता तथा लघु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के आरंभ से पूर्व संस्थान के वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने प्रतिभागियों को अनुवाद के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अनुवाद ज्ञानार्जन का अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है। अनुवाद, वद धातु में अनु उपसर्ग के संयोग से बना है जिसका अर्थ है बाद में बोलना या दोहराना। प्राचीन समय में गुरुकुल में शिष्य अपने गुरुओं द्वारा बोलेगए पाठ को उनके पीछे दोहराते थे। यही शब्द कालांतर में ट्रांसलेशन के अर्थ में 'अनुवाद' के रूप में रूढ़ हो गया। इसे रूपांतर, उलथा आदि नामों से भी जाना जाता है। उन्होंने बताया कि एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद के लिए स्रोत एवं लक्ष्य भाषा की सम्यक जानकारी भी आवश्यक है तथा शब्द कोश इसमें अनुवादक के सहायक उपकरण होते हैं।

संस्थान के क्लास रूम 1 में आयोजित प्रतियोगिता-सह-लघु कार्यशाला में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के उपरांत वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने प्रतियोगिता के प्रश्न पत्र पर चर्चा करते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासा को शांत किया। कार्यशाला में उन्होंने प्रतिभागियों को संवैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत अनुच्छेद 343 की जानकारी देते हुए कहा कि देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी हमारी राजभाषा है और राजकीय कामकाज में भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप (1,2,3,4.....) ही मान्य है। श्री रमेश बौरा ने प्रश्न पत्र के प्रश्नों पर प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान करते हुए उनकी जिज्ञासा का समाधान किया। इसके अतिरिक्त प्रतियोगिता के उपरांत आयोजित इस लघु कार्यशाला में भाषा संबंधी सामान्य अशुद्धियों पर भी चर्चा की गई।

प्रतिभागियों ने राजभाषा प्रकोष्ठ के इस प्रयास की सराहना की।

आयोजन के चित्र